बाइबल में “प्रस्थान” शब्द का क्या अर्थ है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

बाइबल में “प्रस्थान” शब्द अकसर मिशनरी यात्राओं के संदर्भ में आता है — विशेष रूप से प्रेरित पौलुस की यात्राओं के दौरान।

थियोलॉजिकल (धार्मिक) दृष्टिकोण से यह केवल एक यात्रा को नहीं, बल्कि सुसमाचार की गति को दर्शाता है —
विश्वासियों का संसार में जाने का बुलावा,
और कई बार, परमेश्वर के उद्देश्य में आज्ञाकारिता के साथ कष्ट सहने को भी।

1. प्रेरितों के काम 20:13

“हम जहाज पर चढ़े और अस्सोस के लिए रवाना हो गए, जहाँ हमें पौलुस को लेना था; क्योंकि उसने इस प्रकार से व्यवस्था की
थी, कि आप पैदल वहाँ जाएगा।”
(प्रेरितों के काम 20:13 — ERV-HI)

यहाँ “प्रस्थान” का अर्थ है कि पौलुस के साथी जहाज़ में चढ़कर उसे अस्सोस में लेने जाते हैं, जबकि पौलुस पैदल जाने का निर्णय लेता है।

यह एक रणनीतिक निर्णय था —

बाइबल में “प्रस्थान” शब्द का क्या अर्थ है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

पौलुस कभी-कभी स्वयं को अलग करता था,
शायद प्रार्थना या आत्म-चिंतन के लिए,
फिर भी वह मिशन से जुड़ा रहता था।

2. प्रेरितों के काम 21:1

“जब हम उनसे अलग हुए, तो सीधे कोस को रवाना हुए; अगले दिन
रोड्स पहुँचे और वहाँ से पातरा गए।”
(प्रेरितों के काम 21:1 — ERV-HI)

यहाँ “रवाना होना” (या समुद्र की यात्रा शुरू करना) एक नई यात्रा के चरण की शुरुआत को दर्शाता है।

यह लगातार चलता जाना दिखाता है कि
प्रारंभिक कलीसिया कभी स्थिर नहीं थी —
मिशन एक चलायमान कार्य था,
हमेशा बाहर की ओर बढ़ता हुआ (cf. मत्ती 28:19)।

3. प्रेरितों के काम 27:1–2

बाइबल में “प्रस्थान” शब्द का क्या अर्थ है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“जब यह निर्णय लिया गया कि हमें इटली जाना है, तो पौलुस और
अन्य बंदियों को एक शाही दल के कप्तान, यूलियुस, को सौंप दिया गया। हमने अद्रुमुतियुम के एक जहाज पर चढ़ाई की, जो
एशिया के किनारों के बंदरगाहों की ओर जा रहा था, और हमने
यात्रा शुरू की।”
(प्रेरितों के काम 27:1–2 — ERV-HI)

यहाँ पौलुस एक बंदी के रूप में यात्रा पर निकलता है — रोम की ओर।

धार्मिक दृष्टि से यह दिखाता है कि
परमेश्वर की योजना दुख से नहीं रुकती।
बंदी होने के बावजूद, पौलुस साक्षी बना रहा —
और रोम में गवाही देने की परमेश्वर की योजना को पूरा किया (cf. प्रेरितों 23:11)।

4. प्रेरितों के काम 28:10–11

“उन्होंने हमारा आदर किया और जब हम यात्रा को तैयार हुए, तो हमें जरूरत की सारी वस्तुएँ दीं। तीन महीने बाद हम एक
मिस्री जहाज पर रवाना हुए, जो सर्दियों में वहीं ठहरा था; उस जहाज पर कास्टोर और पॉलक्स का प्रतीक था।”

बाइबल में “प्रस्थान” शब्द का क्या अर्थ है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

(प्रेरितों के काम 28:10–11 — ERV-HI)

यहाँ प्रस्थान फिर से होता है — इस बार दूसरों की सहायता और भेंटों के साथ।

धार्मिक रूप से यह बताता है कि
परमेश्वर अक्सर अपरिचित स्थानों पर भी
दूसरों की उदारता के माध्यम से
अपने सेवकों की आवश्यकता पूरी करता है (cf. फिलिप्पियों 4:19)।

थियोलॉजिकल सारांश:

बाइबल में “प्रस्थान” केवल यात्रा का शब्द नहीं है,
यह दर्शाता है:

परमेश्वर की बुलाहट में आज्ञाकारिता
(cf. प्रेरितों के काम 13:2–3)
सुसमाचार के लिए कष्ट सहने की स्थिरता
(cf. प्रेरितों के काम 27)
अनिश्चित यात्राओं में परमेश्वर की देखभाल में विश्वास
(cf. प्रेरितों के काम 28)
परमेश्वर के राज्य की अनवरत वृद्धि — विश्वासी गवाहों के द्वारा

बाइबल में “प्रस्थान” शब्द का क्या अर्थ है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

जैसे पौलुस बार-बार “प्रस्थान” करता था,
वैसे ही आज के विश्वासी भी
परमेश्वर के मिशन में बुलाए जाते हैं —
कभी सहजता में, कभी कठिनाइयों में,
पर हमेशा उद्देश्य के साथ।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp